Seventeenth Loksabha

>

Title: Need for investigation regarding collapse of under construction bridge in Yavatmal-Washim Parliamentary Constituency, Maharashtra.

श्रीमती भावना गवली (पाटील) (यवतमाल-वाशिम): महोदय, वर्धा, नांदेड, यवतमाल रेलवे लाइन वर्ष 2010 में स्वीकृति मिली थी । उसके बाद काम बहुत धीमी गति से चला । वर्ष 2014 में प्रधान मंत्री जी जब मेरे क्षेत्र में आए, तब रेलवे लाइन को बनाने में गति दे दी गई, लेकिन उसका काम मध्य रेलवे के माध्यम से चल रहा है, वहां जो कम्पनियां काम कर रही हैं, जो कम्पनियां पुल बना रही हैं, वहां पुल बनाते समय वह पुल गिर गया और ऐसी स्थिति में कोई जांच नहीं की गई । दोषी लोगों पर कार्यवाही नहीं की गई । मैं समझती हूं कि जो हर्षदा कम्पनी और आरबीआर कम्पनी हैदराबाद की कम्पनियां हैं । मध्य रेलवे ने भी कोई जांच नहीं की है । मेरी मांग है कि रेल बोर्ड, रेल मंत्रालय इसमें दखल दे और जांच हो । जो कम्पनियां गलत तरीके से, भ्रष्टाचार से काम कर रही हैं और जो निर्माणाधीन पुल गिर गया था, उसकी जांच हो और ऐसी कम्पनियों को ब्लैक लिस्टेड किया जाए ।